मांडलगढ़ में किसानों ने फसल खराबे के मुआवजे की मांग को लेकर रैली निकाली

कार्यालय पर उपखण्ड अधिकारी के नहीं मिलने पर किसानों को एक घंटे तक धूप में खड़े रहना पड़ा

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ पंचायत समिति से हजारों किसान फसल खराबे पर मुआवजे की मांग को लेकर कस्बे में रैली निकालकर उपखण्ड कार्यालय पहुंचे और पूर्व विधायक प्रदीप कुमार सिंह, प्रधान जितेंद्र मूंदड़ा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को कार्यालय पर बुला कर ज्ञापन दिया। इस दौरान कार्यालय पर उपखण्ड अधिकारी के नदारद मिलने पर पीड़ित किसानों को करीब एक घण्टे तक धूप में खड़े होकर नारेबाजी और प्रदर्शन करना पड़ा। पूर्व विधायक प्रदीप कुमार सिंह ने ज्ञापन लेने के लिए एसडीएम को फोन कर बुलाया गया।

मांडलगढ़ में बारिश की अतिवृष्टि से पीड़ित किसानों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पीड़ित किसानों को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में लगातार बारिश और अतिवृष्टि से किसानों खेतों में खड़ी की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। खेतों में खड़ी फसल नष्ट होने से किसान भारी संकट में हैं। इस मामले में सरकार और प्रशासन गम्भीर नजर नहीं आ रहा है, किसानों को दीपावली से पूर्व मुआवजा नहीं मिला तो किसानों को आंदोलन की राह पकड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा।

पंचायत समिति प्रधान जितेंद्र मूंदड़ा ने कहा कि मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में इस वर्ष अधिक वर्षा एवं लगातार पानी भराव के कारण क्षेत्र के अधिकांश किसानों की फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। खरीफ की फसल में सोयाबीन, मक्का, मूंग, उड़द एवं अन्य दलहन व तिलहन फसलें खेतों में सड़ गई है। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और उनकी आजीविका पर संकट गहरा गया है। उन्होंने कहा कि किसान वर्ग पहले से ही कर्ज एवं आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण अब स्थिति और गंभीर हो गई है। सरकार प्रभावित किसानों के लिए तत्काल सर्वे करवा कर उचित मुआवजा राशि प्रदान करने की जल्द घोषणा करें, ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें और आगामी रबी सीजन की बुवाई के लिए तैयार हो सकें।

पीड़ित किसानों का आरोप है कि बार-बार गुहार लगाने के बावजूद सरकार और प्रशासन ने अब तक कोई सुध नहीं ली। नुकसान का भौतिक सर्वे तक नहीं किया गया, जिससे मुआवज़ा मिलने की उम्मीद भी धूमिल होती जा रही है। कुछ किसानों का मानना है कि समय पर राहत पैकेज न मिलने से किसान कर्ज़ और आत्महत्या जैसे हालातों की ओर धकेले जा सकते हैं। ग्रामीण अंचलों में किसान अब आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द ही मुआवज़े की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो वे सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे।

> ■ ''मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में लगातार बारिश और अतिवृष्टि से किसानों की खेतों में खड़ी की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं''

ज्ञापन देने में पूर्व प्रधान कन्हैयालाल जाट, भैरू लाल जाट, विधायक प्रत्याशी भैरूलाल गुर्जर, कांग्रेस नेता कुलदीप सिंह, भवानी शंकर शर्मा, पंचायत समिति सदस्य धनराज जाट,सरपंच रामजस दाधीच, सरपंच प्रतिनिधि मोतीलाल जाट, मुकेश खटीक सहित कई जनप्रतिनिधि और कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी तथा किसान व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

व्यापारी की हत्या व जेवर लूट मामले का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

घटना 27 अगस्त को उस समय हुई थी, जब व्यापारी दुकान बंद कर घर लौट रहा था

बयाना पुलिस ने सर्राफा व्यापारी से लूट की वारदात का पर्दाफाश कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद के निर्देशन में बयाना पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए बयाना में सर्राफा व्यापारी से हुई लूट की सनसनीखेज वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में पांच जनों को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपियों के कब्जे से हथियार बरामद किये हैं।

जानकारी के अनुसार घटना 27 अगस्त को उस समय हुई थी जब व्यापारी दुकान बंद कर घर लौट रहा था। सालावाद फाटक के पास बाइक सवार बदमाशों ने व्यापारी को गोली मारकर ज्वैलरी व नकदी से भरा बैग लूट लिया था। पुलिस को इनपुट मिलने पर एएसपी बयाना हरिराम कुमावत व वृताधिकारी कृष्णराज जांगिड़ के नेतृत्व में कई टीमें गठित की गईं। गढीबाजना थानाधिकारी पृथ्वीसिंह की टीम की बदमाशों से मुठभेड़ हुई, जिसमें पांच आरोपी गिरफ्तार किए गए। आरोपियों से दो अवैध देशी कट्टे, आठ जिंदा कारतूस, सात खाली खोखे, सात मोबाइल व घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें जब्त की गईं। गिरफ्तार आरोपी आगरा, भरतपुर व धौलपुर क्षेत्र के निवासी हैं, जिनमें एक महिला भी शामिल है।

> ■ बाइक सवार बदमाशों ने व्यापारी को गोली मारकर ज्वैलरी व नकदी का बैग लूट लिया था

हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने से दो युवकों की झुलसने से मौत

उदयपुर, (कासं)। जिले के सायरा थाना क्षेत्र के पानेर गांव 33 केवी बिजली लाइन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवकों के शव खेत में 100 मीटर की दूरी पर पड़े मिले। वहीं बिजली तार भी टूटा पड़ा मिला है।

जानकारी के अनुसार बीती रात करीब दो बजे अचानक पानेर गांव इलाके की लाइट गुल हो गई थी। सुबह 9 बजे तक जब बिजली सप्लाई सुचारू नहीं हुई तो लोगों ने इसकी सूचना बिजली विभाग को दी। इस पर बिजली विभाग के कर्मचारी 33 केवी लाइन में फाल्ट ढूंढने निकले, तब हादसे का पता चला। थानाधिकारी किशोर सिंह शक्तावत ने बताया कि फाल्ट ढूंढने निकले बिजली विभाग के कर्मचारियों को खेत में बिजली लाइन के तार टूटे पडे मिले वहां दो युवकों के शव भी पड़े हुए थे। शव बुरी तरह झुलसे हुए थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद दोनों के शवों को सायरा हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया। थानाधिकारी के अनुसार प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों युवक जंगल के बीच से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के तार चोरी करने आए थे। दोनों के शव कुछ दूरी पर खेत में पड़े मिले हैं। वहां लकड़ी और आंकडेनुमा सामान भी मिला। वहां चप्पल भी पड़ी मिली। संभवतया हाईटेंशन लाइन के तार तोड़ते समय यह हादसा हो गया। दोनों शवों की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं पुलिस और बिजली विभाग की टीम जांच में जुटी है।

> ■ फाल्ट ढूंढने पहुंचे बिजली कर्मचारियों को जंगल में शव पड़े मिले, पुलिस मौके पर पहुंची
>
> ■ 'जांच में सामने आया है कि दोनों युवक जंगल के बीच से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के तार चोरी करने आए थे'

प्रेम प्रसंग में युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के मथुरा गेट थाना इलाके में युवक ने लव अफेयर में खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। आत्महत्या से पहले युवक ने पड़ौस में रहने वाली महिला के हाथ में गोली मारी। महिला के परिजनों का कहना है वह एक तरफा प्यार करता था। मथुरा गेट थाना इलाके में रामबाबू (45) किराए पर रहता था। बुधवार को सुबह करीब 10 बजे महिला (42) का पति घर से बाहर चला गया था। इसके बाद रामबाबू उसके घर पहुंच गया। उसने पहले महिला को गोली मारी, इसके बाद खुद को गोली मार ली। महिला के हाथ में गोली लगी है। एसपी दिगंत आनंद ने बताया कि रामबाबू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के कारणों का कुछ पता नहीं लग पाया है।

घायल महिला ने बताया कि रामबाबू उसे चार साल से परेशान कर रहा था। कई बार पुलिस में शिकायत भी की थी। वह पुलिस से छूट आता और फिर से परेशान करता था। उसकी देवरानी (35) घर पर अकेली थी। महिला का पति और उसका देवर मोबाइल की शॉप करते हैं। महिला के पति और देवर दुकान पर गए हुए थे। रामबाबू उनके पड़ौस में रहता था। वह पड़ौसियों के घर से कूदकर महिला के घर में घुसा। आते ही उसने महिला का गला दबाने की कोशिश की। महिला ने इसका विरोध किया। रामबाबू ने कट्टा निकालकर गोली चला दी। महिला भागते हुए नीचे आई और अपने देवरानी को घटना के बारे में बताया। देवरानी ने अपने पति को फोन कर घटना के बारे में बताया। महिला का देवर घर पहुंचा और अपनी भाभी के कमरे में जाकर देखा तो रामबाबू का शव पड़ा था। पास में हथियार भी था। महिला के देवर ने तुरंत अपने भाई को बुलाया। महिला को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। देवर ने पुलिस को भी घटना की सूचना दी। पुलिस ने रामबाबू के शव को आरबीएम हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भिजवाया। साथ ही एफएसएल की टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए। फिलहाल रामबाबू के शव को आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया है। महिला का इलाज आरबीएम हॉस्पिटल में जारी है।

> ■ आत्महत्या से पहले युवक ने पड़ौस में रहने वाली महिला के हाथ में गोली मारी, युवती का अस्पताल में उपचार जारी
>
> ■ घायल महिला ने बताया कि युवक रामबाबू उसे चार साल से परेशान कर रहा था, कई बार पुलिस में शिकायत भी की थी

रामबाबू की बहन मथुरा गेट थाना इलाके के गुलाल कुंड में रहती है। जैसे ही उन्हें घटना का पता लगा तो, वह मौके पर पहुंची। मृतक रामबाबू मूलतः डीग जिले के सीकरी का रहने वाला था, अभी मथुरा गेट थाना इलाके में रहता था। उसके तीन बच्चे हैं। पत्नी कोलकाता की रहने वाली है और वहीं रहती है।

मंदिर में दम्पती से हुई लूट का खुलासा, तीन गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। भूपालसागर थाना क्षेत्र के फलासीया जागीर माता जी के मन्दिर में सोती हुई महिला के गले में से सोने की रामनामी व दो मादलीये एवं सोते हुए व्यक्ति के हाथों में पहने हुए चांदी के कड़े लूटकर ले जाने के मामले में भूपालसागर थाना पुलिस ने साइबर सेल की मदद से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से सोने की रामनामी दो व सोने के दो मादलीये व चांदी के दो कड़े बरामद किए हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि गत तीन फरवरी की मध्य रात्रि को फलासीया जागीर माता जी के मन्दिर में सोती हुई महिला के गले में से सोने की रामनामी व दो मादलीये व सोते हुए व्यक्ति के हाथों में पहने हुए चांदी के कड़े लूट कर ले जाने के मामले में फरार आरोपियों की तलाश कर गिरफ्तार करने व माल बरामद करने के लिए एएसपी सरिता सिह व वृताधिकारी कपासन हरजी लाल यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी लादुलाल सौंलकी उ नि व जाप्ता एएसआई जमना त्रिपाठी, तेजमल, कानि. राजमल, ओमप्रकाश, राधेश्याम, पीराराम व अनिल, साइबर सेल के हैड कानि. राजकुमार, कानि. रामनरेश, राजेश, रामावतार व गणपत कानि. साइबर सैल द्वारा बंशीलाल पुत्र प्यारा कालबेलीया (जोगी) निवासी नई आबादी अम्बावली किरतपुरा थाना बड़ी सादड़ी जिला चित्तौड़गढ़, मुकेश पुत्र नानुराम कालबेलीया निवासी बनाकीया कला थाना कपासन जिला चित्तौड़गढ़ हाल खातरीया चौकड़ी थाना खातरेच जिला अहमदाबाद व नारायण कालबेलीया पुत्र परथा उर्फ पृथ्वीराज कालबेलीया निवासी पीपली गुजरान थाना भदेसर जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पुलिस अभिरक्षा (रिमाण्ड) प्राप्त किया जाकर आरोपी बंशीलाल, मुकेश व नारायण कालबेलीया से प्रकरण में लूट का माल बरामद किया।

पुलिस ने लूट के आरोपियों को गिरफ्तार कर सोने व चांदी के जेवरात बरामद किए।

उदयरामसर में 1.19 हेक्टेयर जमीन फर्जी तरीके से बिकी, मामला दर्ज

बीकानेर, (निसं)। मुंबई में स्टॉक मार्केट का काम करने वाले विजयरतन बी. मित्तल की उदयरामसर में 1.19 हेक्टेयर जमीन है, जो राजस्व रिकॉर्ड में उसके नाम से अंकित है। कृषि भूमि पर चारों ओर तारबंदी है और काश्तकार काश्त कर रहा है। व्यापारी ने अपनी कृषि भूमि की ऑनलाइन जमाबंदी निकलवाने के लिए सर्च किया तो वह चौंक गया। खातेदारी कृषि भूमि का इंतकाल और जमाबंदी नोखा में माडिया निवासी सुभाष बिश्नोई के नाम से दर्ज है।

जमाबंदी में आए नोट के आधार पर उप पंजीयक कार्यालय से कृषि भूमि की नकल ली तो पता चला कि कृषि भूमि का बयनामा कराया गया है। बयनामा पर व्यापारी की जगह किसी अन्य शख्स का फोटो है। आधार कार्ड और पैन नंबर भी लिखा है, जो व्यापारी के नहीं हैं। फर्जी दस्तावेज तैयार कर व्यापारी की कृषि भूमि का बयनामा तैयार कर जमीन बेच दी गई। उप पंजीयक कार्यालय में 10 जुलाई, 25 को सुभाष बिश्नोई के नाम बयनामा है, जबकि इस दिन व्यापारी मुंबई ही था। उसकी जमीन फर्जी तरीके से हड़पने के लिए सुभाष बिश्नोई, गवाह गंगाशहर में सारड़ा चौक निवासी अनुराग कुमावत, चूरू में रतनगढ़ निवासी बृजलाल तथा अज्ञात व्यक्ति जिसने बयनामा में व्यापारी की जगह फर्जी फोटो लगा रखी है। मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और जमीन हड़पने के लिए बयनामा तैयार किया। व्यापारी को इसका पता चलने पर वह बीकानेर आया और सदर पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

वैर क्षेत्र के हाथोड़ी, बल्लभगढ़ व वैर कस्बे की बावड़ियों को संरक्षण की दरकार

ये बावड़ियां वर्तमान में अपनी आभा व पहचान खो चुकी है, लेकिन इनके महराब, बरामदे, कलाकृति युक्त खंभों की पच्चीकारी आज भी दर्शनीय हैं

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले में अनेक ऐसे पुरा महत्व के स्थल हैं, जिनका जीर्णोद्धार कर विकसित कर दिये जाये तो ये स्थल पर्यटन मानचित्र पर आ सकते हैं। पर्यटन से जुड़ने के बाद इन स्थलों पर रोजगार के वैकल्पिक रोजगार के संसाधन विकसित होंगे जिससे क्षेत्र के निवासियों को लाभ मिलेगा। ऐसे ही परम्परागत जल स्त्रोत एवं ऐतिहासिक विरासत की पहचान रही वैर पंचायत समिति क्षेत्र के हाथोड़ी, बल्लभगढ़ व वैर कस्बे की बावड़ियां हैं, जो वर्तमान में अपनी आभा व पहचान को खो चुकी है, लेकिन इनके निर्माण के दौरान बनाये गये महराब, बरामदे, कलाकृति युक्त खंभों की पच्चीकारी आज भी दर्शनीय है। इन बावड़ियों के संरक्षण के संबंध में समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अलग से 5 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत करने की मांग की है।

गुप्ता द्वारा लिखे गये पत्र में कहा है कि इन बावड़ियों के जीर्णोद्धार कर विकसित करने के बाद इन पर न केवल पर्यटन गतिविधियां बढ़ेंगी बल्कि क्षेत्र के निवासियों को पेयजल व सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा इसके अलावा ये बावड़ियां भविष्य की पीढ़ियों के लिए जीवित धरोहर के रूप में बनी रह सकेगी।

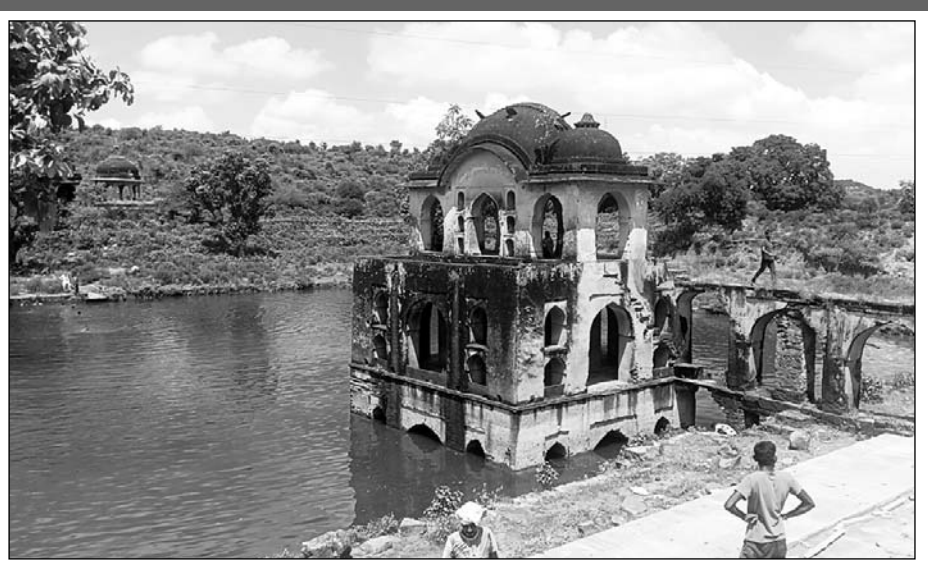

वैर पंचायत समिति क्षेत्र के हाथोड़ी, बल्लभगढ़ व वैर कस्बे की बावड़ियां हैं, जो वर्तमान में अपनी आभा व पहचान खो चुकी है।

पत्र में उन्होंने कहा है कि इन बावड़ियों के जीर्णोद्धार के बाद इनके नियमित संरक्षण की व्यवस्था करना भी आवश्यक है, अन्यथा कामा के चील महल, खानुआ के राणा सांगा स्मारक की तरह जीर्णोद्धार पर व्यय की गई लागत बेकार चली जायेगी। इसी प्रकार वैर कस्बे के सफेद महल जिसके जीर्णोद्धार व विकास पर पहले करोड़ों रुपये व्यय हुए, लेकिन रख-रखाव के अभाव यह राशि बेकार चली गई, किन्तु अब राज्य सरकार ने पुनः बजट आवंटित कर सफेद महल के सौंदर्यीकरण व विकास का कार्य शुरू कराया। पत्र में कहा है कि इसी प्रकार की बावड़ियां धौलपुर व दौसा जिले के बांदीकुई के पास थी जिनके जीर्णोद्धार व विकास के बाद ये पर्यटन गतिविधियों से जुड़ गई। इसी तरह वैर की इन तीनों बावड़ियों का विकास करा दिया जाये तो ये भी पर्यटन मानचित्र पर आकर यहां भी पर्यटन गतिविधियों शुरू हो सकती है, जिससे क्षेत्र के निवासियों को रोजगार के संसाधन मुहैया हो सकेंगे।

> ■ समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, संरक्षण के लिए 5 करोड़ का बजट स्वीकृत करने की मांग की

जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश डॉ. पी एस भाटी और न्यायाधीश संदीप तनेजा ने राज्य सरकार और राजस्थान सिविल सेवा अपीलेट अधिकरण के अध्यक्ष की ओर से पेश अधिवक्ताओं को निर्देश दिए कि वे आगामी पेशी 16 सितंबर तक रिपोर्ट पेश करें कि हाइकोर्ट के आदेश की पालना में पिछले छह माह में जोधपुर में अधिकरण की न्यायिक कार्रवाई कितने दिन तक कार्यरत रही।

राजस्थान हाइकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष सिसोदिया, वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद पुरोहित और अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि 19 जुलाई 2022 को खंडपीठ ने अपने विस्तृत आदेश में राज्य सरकार को निर्देश दिया कि जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ गठित करें और तब तक जोधपुर में चल पीठ 8 दिन तक प्रति माह न्यायिक कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस पर जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ की अधिसूचना 4 मई 2023 को जारी कर दी तथा 12 सितम्बर 2023 को आदेश जारी कर जोधपुर पीठ का क्षेत्राधिकार तय कर जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर,पाली और बांसवाड़ा संभाग के सभी जिलों को जोधपुर पीठ में शामिल कर सभी नई एवं पुरानी अपीलों और पत्रावलियों की सुनवाई जोधपुर पीठ के समक्ष करने का निर्देश दिया और इसी अनुरूप गैर न्यायिक सदस्य और स्टाफ की नियुक्ति कर दी गई, लेकिन वास्तविक रूप में जोधपुर में स्थाई पीठ कार्यरत नहीं रही। उन्होंने कहा कि खंडपीठ ने गत 29 जनवरी को राज्य सरकार और अधिकरण अध्यक्ष को निर्देश दिए कि हाइकोर्ट के 19 जुलाई 2022 के आदेश की पालना में जब राज्य सरकार ने जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ की अधिसूचना जारी कर दी है तो फिर चल पीठ ही कैसे कार्यरत है सो वास्तविक रूप में जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ में सदस्यों की नियुक्ति कर कार्यरत करें। प्रार्थी अधिवक्तागण ने कहा कि राज्य सरकार और अधिकरण अध्यक्ष को निर्देश दिया जाएं कि जोधपुर में अविलंब अधिकरण की स्थाई पीठ जोधपुर क्षेत्राधिकार के अनुरूप न्यायिक कार्रवाई प्रारंभ करें।

15 वर्षीय आरव ने 54 सेकंड में विश्व का मानचित्र बनाया

कोटा, (निसं)। शिक्षा नगरी कोटा ने एक बार फिर अपनी असाधारण प्रतिभा से देशभर का सिर गर्व से ऊंचा किया है। शहर के मात्र 15 वर्षीय युवा कलाकार आरव शर्मा ने अपने अद्भुत हुनर के दम पर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2025 में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया है। आरव की यह उपलब्धि वास्तव में अविश्वसनीय है। इस प्रतिभावान बालक ने केवल 54 सेकंड की अल्प अवधि में पेंसिल की सहायता से कागज पर संपूर्ण विश्व का भौतिक मानचित्र बनाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह रिकॉर्ड न केवल उसकी तीव्र बुद्धि का परिचायक है, बल्कि उसकी कलात्मक दक्षता और एकाग्रता का भी जीवंत प्रमाण है। आरव के गौरवान्वित माता-पिता अजय और अल्का शर्मा ने बताया कि पिछले 2.5 वर्षों से उनका पुत्र इस विशेष कला में निरंतर अभ्यासरत था। प्रारंभ में वह हरे बोर्ड पर चाक से मानचित्र बनाने का अभ्यास करता था। धीरे-धीरे उसकी गति और सटीकता में उल्लेखनीय सुधार आया।